बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ दिनांक -02 - 03 - 2021

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज प्रत्यय के बारे में अध्ययन करेंगे ।

प्रत्ययों के भेद/प्रकार

प्रत्यय विभिन्न् शब्दों के अंत में जुडकर नए शब्दों का निर्माण करते है। लेकिन प्रत्यय किस प्रकार के शब्दों के साथ लग कर आते है, इस आधार पर प्रत्ययों के तीन भेद किए गए है।

- संस्कृत के प्रत्यय
- हिंदी के प्रत्यय

विदेशी भाषा के प्रत्यय

संस्कृत के प्रत्यय:— जो प्रत्यय व्याकरण में मूल शब्दों और मूल धातुओं से जोड़े जाते हैं वे संस्कृत के प्रत्यय कहलाते हैं।

जैसे :–

- **त** – आगत,विगत,कृत ।
- **ति** – प्रीति, शक्ति, भक्ति आदि
- **या-** मृगया, विद्या

संस्कृत प्रत्यय के प्रकार :-

1. कृत् प्रत्यय (कृदन्त)
2. तद्धित प्रत्यय

(1) कृत् प्रत्यय):- क्रिया शब्दों के साथ जो प्रत्यय जुडतें हैं वे कृत प्रत्यय कहलाते है।

सरल शब्दों में— वे प्रत्यय जो क्रिया के मूल रूप धातु के साथ जुडकर संज्ञा,विशेषण आदि नए शब्दों का निर्माण करते है। वे कृत प्रत्यय कहलाते हैं।

अर्थात कहने का तात्पर्य है कि——क्रिया या धातु के अन्त में प्रयुक्त होने वाले प्रत्ययों को 'कृत्' प्रत्यय कहते है और उनके मेल से बने शब्द को 'कृदन्त' कहते है।

दूसरे शब्दो में- वे प्रत्यय जो क्रिया के मूल रूप यानी धातु) में जोड़े जाते है, कृत् प्रत्यय कहलाते है।

जैसे-

- लिख् + अक =लेखक।

- बिछ+ औना — बिछौना
- पढ+ आकू — पढ़ाकू
- चु + आव— चुनाव
- पालन + हारा—— पालनहारा

यहाँ अक,औना,आकू,आव, हारा कृत् प्रत्यय है तथा लेखक,बिछ,पढ,चु, पालन कृदंत शब्द है।टेबल बनानी है

कृत् प्रत्यय के उदहारण

- अक —— गायक,लेखक, पाठक, नायक, गायक
- ता——— नेता,अभिनेता,विक्रेता
- उक ——इच्छुक, भिक्षुक, भावुक इच्छ्, भिक्ष